

SHRI KANWAL SINGH CHAUHAN

Shri Kanwal Singh Chauhan is a farmer entrepreneur from Village Atema. District Sonipat of Haryana. He started farming at the age of 15 years after untimely demise of his father in 1978. He was a debt ridden farmer and in pursuit of increasing farm income, he adopted various innovative and new technologies in his farming system. He has established Integrated Farming System which includes crop diversification, processing and value addition, marketing, crop residue management and skill development of farmers.

2. Born on May 4, 1962, Shri Chauhan has received M.A. degree in Sociology and L.L.B from CCS University Meerut. In 1997, he started baby corn cultivation in his fields which provided more remuneration than rice and wheat crops combined together. Other farmers of his area followed him and started baby corn and sweet corn cultivation. In 2000, he also started vermin compost unit, apiculture and mushroom farming. Apart from this, he also cultivated Broccoli, Drum stick, Asparagus, Gherkin and other high value crops. In 2001, he established the Gulab Fruit Vegetable Growers and Marketing Cooperative Society for marketing of vegetables of farmers to various processing unit and value chains.

3. In 2009, he established Integrated Unit for Mushroom Development for mushroom cultivation and thermal processing (canning) of mushroom, baby corn, sweet corn, tomato and other fruits and vegetables. He has provided Minimum Guaranteed Price to farmers for four vegetables i.e. mushroom. baby corn, sweet corn and tomato, which have assured farmers of better remunerations for their crops. Later in 2012, another food processing unit was established by the Cooperative Society. In 2018, a cold chain project assisted by Ministry of Food Processing Industries (MoFPI) was established. These entire units together provide local employment to more than 150 persons especially women. Now, more than 2000 farmers of his area are associated with him. In 2016, the Cooperative Society has formed two Farmers Producer Organizations(FPOs) which are engaged in cultivation of organic crops and export of vegetables: and crop residue management of paddy and sugarcane. The society has also established skill development centre for farmers in mushroom cultivation, apiculture and tractor operatorion.

4. Central Government, various State Governments and their Institutes have recognized his contribution in field of agriculture by awarding N.C. Ranga Award for diversified agriculture, IARI Fellow Farmer Award, Progressive farmer Award by Haryana and Punjab Government etc. He has been nominated as member of Central Pollution Control Board and currently, is member of Governing body and General Body of ICAR.

पद्म श्री



श्री कंवल सिँह चौहान

श्री कंवल सिंह चौहान हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव अटेमा के एक उद्यमी किसान हैं। आपने वर्ष 1978 में अपने पिता की असमय मृत्यु के उपरांत 15 वर्ष की अल्प आयु से ही खेती करना शुरू कर दिया। आप ऋण के बोझ तले दबे एक ऐसे किसान थे जिन्होंने कृषि आय को बढ़ाने के लिए खेती करने की प्रणाली में विभिन्न नवीन एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाया। आपने एकीकृत कृषि प्रणाली की स्थापना की है जिसमें फसल की विविधता, प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन, मार्केटिंग, फसल अपशिष्ट प्रबंधन तथा किसानों का कौशल विकास किया जाना शामिल है।

2. आपका जन्म 04 मई, 1962 को में हुआ था। आपने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से समाज शास्त्र में एम. ए. और तत्पश्चात् एल. एल. बी. की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1997 में आपने अपने खेतों में बेबी कॉर्न की खेती करनी प्रारंभ की जिसकी वजह से आपको चावल तथा गेहूं दोनों की खेती से अधिक धन प्राप्त हुआ। आपके इलाके के अन्य किसानों ने भी आपका अनुसरण किया और उन्होंने भी अपने खेतों में बेबी कॉर्न एवं स्वीट कॉर्न की खेती करना प्रारंभ किया। वर्ष 2000 में आपने वर्मिन कम्पोजिट यूनिट, मधुमक्खी पालन तथा मशरूम की खेती करना भी प्रारंभ किया। इसके अलावा, आपने ब्रोकली, ड्रम स्टिक, शतावरी, खीरा तथा अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती करना भी प्रारंभ किया। वर्ष 2001 में, आपने विभिन्न प्रसंस्करण यूनिटों तथा वेल्यू चेंन्स में किसानों की सब्जियों की मार्केटिंग के लिए गुलाब फ्रूट वेजीटेबल ग्रोवर्स एंड मार्केटिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी की स्थापना की।

3. वर्ष 2009 में आपने मशरूम, बेबी कॉर्न , स्वीट कॉर्न, टमाटर तथा अन्य फलों एवं सब्जियों की थर्मल प्रोसेसिंग (केनिंग) और मशरूम उगाने के लिए एकीकृत यूनिट की स्थापना की। आपने मशरूम, बेबी कॉर्न, स्वीटकॉर्न तथा टमाटर जैसी चार सब्जियों के किसानों को न्यूनतम गारंटी मूल्य प्रदान किया है जिसकी वजह से किसानों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ। बाद में वर्ष 2012 में, कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा एक अन्य खाद्य प्रसंस्करण यूनिट की स्थापना की गई। वर्ष 2018 में, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की सहायता से एक कोल्ड चेन परियोजना की स्थापना की गई। ये सभी यूनिटें 150 से भी अधिक व्यक्तियों विशेषकर महिलाओं को स्थानीय रोजगार मुहैया कराती हैं। अब, आपके क्षेत्र के 200 से भी अधिक किसान आपके साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2016 में कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा दो फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाजेशन (एफपीओ) की स्थापना की गई है जो ऑर्गेनिक फसलों की खेती करते हैं तथा सब्जियों का निर्यात करने के साथ-साथ धान एवं गन्ने की खेती के अपशिष्ट का प्रबंधन करने का कार्य भी करती हैं। सोसाइटी द्वारा मशरूम की खेती, मधुमक्खी पालन एवं ट्रैक्टर चलाने का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

4. केन्द्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों तथा उनके संस्थानों द्वारा कृषि के क्षेत्र में आपके योगदान को मान्यता प्रदान करते हुए आपको विविधतापूर्ण कृषि के लिए एन. सी. रंगा पुरस्कार, आई ए आर आई फेलो फॉर्मर अॅवार्ड, हरियाणा तथा पंजाब सरकार द्वारा प्रोगेसिव फॉर्मर अॅवार्ड आदि से सम्मानित किया गया है। आपको केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था और आप फिलहाल आई सी ए आर के शासी निकाय एवं जनरल बॉडी के सदस्य हैं।